ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

दादी जानकी जी के 3 अनमोल वचन

औरों को आपसमान बनाने के लिए :-

Shiv Shakti Pandav Sena

1. शुभभावना
2. मंसा-वाचा-कर्मणा में बाबा
3. माँसमान समाने की शक्ति

मुरली मे से कहानी

किंग मिडास (ग्रीक पौराणिक कथा) कई वर्षों पहले एक राज्य में मिडास नामक एक राजा राज करता था। धनवान होने पर भी वह सन्तुष्ट नहीं था। उसे पैसे और सोने का बहुत अधिक लालच था। एक दिन उसके सपने में एक परी आयी। वह जाग उठा। उसने देखा कि वह परी उसके सामने खड़ी है। अपने बिस्तर से उठकर राजा परी के चरणों में गिर गया। उसने परी की प्रशंसा करते हुए कहा कि "आप कितनी सुंदर हो, मैंने सुना है कि परियाँ मनुष्य की इच्छायें पूर्ण करती हैं"। परी मुस्कुराते हुए बोली, "हे राजन! कहिए, आपकी क्या इच्छा है? हम आपकी इच्छा पूर्ण करेंगे!" राजा को कुछ समय तक समझ में नहीं आया कि वह क्या मांगे। थोड़ी देर बाद राजा ने कहा कि "हे परी! आप मुझे ऐसी शक्ति दो जिससे कि मैं जिस चीज़ को भी छूऊँ वह सोना बन जाये"। परी ने राजा की इच्छा पूर्ण कर दी।

धीरे से राजा एक पत्थर के पास गया। राजा ने अपना हाथ जब पत्थर को लगाया तो पत्थर सोना बन गया। राजा तो जैसे खुशी से नाचने लगा। राजा ने एक फूल को देखा, उसे छुआ तो वह भी सोना बन गया। राजा अपने बगीचे में जाकर सब फूल-पौधों को छूने लगा। वह जिसे भी छूता वह सोने में परिवर्तित हो जाता। राजा तो जैसे खुशी से पागल हुआ जा रहा था। कुछ देर बाद जब उसे भूख लगी तब उसने फल और पानी मँगवाया और जब खाने के लिए हाथ लगाया तो फल सोने में बदल गये | पानी के जग को छूते ही वह भी सोने का हो गया | राजा अब न कुछ खा सकता था न पी सकता था। अपनी मूर्खता पर राजा को बहुत दुःख हुआ। राजा को दुःखी देखकर राजा की बेटी उसके पास आयी तो राजा ने प्यार से अपनी बेटी के सिर पर हाथ रखा तो वह भी सोने की मूर्ति बन गयी। अब राजा और अधिक दुःखी हो गया। पश्चाताप के आँसूओं में राजा जब डूबा हुआ था तब वही परी उसके सामने पुनः प्रत्यक्ष हो गयी। उसने कहा - "हे राजन, मैंने तो सोचा कि आप बहुत खुश होंगे लेकिन आप तो बहुत दुःखी दिख रहे हैं। क्या आपको मिली शक्ति से आप खुश नहीं हैं? क्या आपको कुछ और चाहिए?" तब राजा ने परी के पाँव पकड़े और माँफी मांगते हुए कहा, "कृपया आप यह शक्ति वापस ले लीजिए और मुझे मेरी बेटी तथा मेरा सामान्य जीवन वापस दे दीजिए। मेरे पास बहुत धन है और आज से मैं कभी लालच नहीं करूँगा। अपना धन गरीबों में बांटूँगा"। यह सुनकर परी ने अपनी दी हुई शक्ति वापस ले ली। राजा बहुत खुश हो गया और सदा के लिए उसने सोने के प्रति अपना लालच छोड़ दिया।

आध्यात्मिक भाव - लोभ सदा हानि पहुँचाता है। जितना है उतने में ही सन्तुष्ट रहना भी एक कला है। बाबा कहते हैं कि स्थूल धन कमाने में ही सारा समय गँवाना नहीं है। उसके साथ-साथ अपने जीवन में परोपकार और आध्यात्मिक जागृति आवश्यक है।

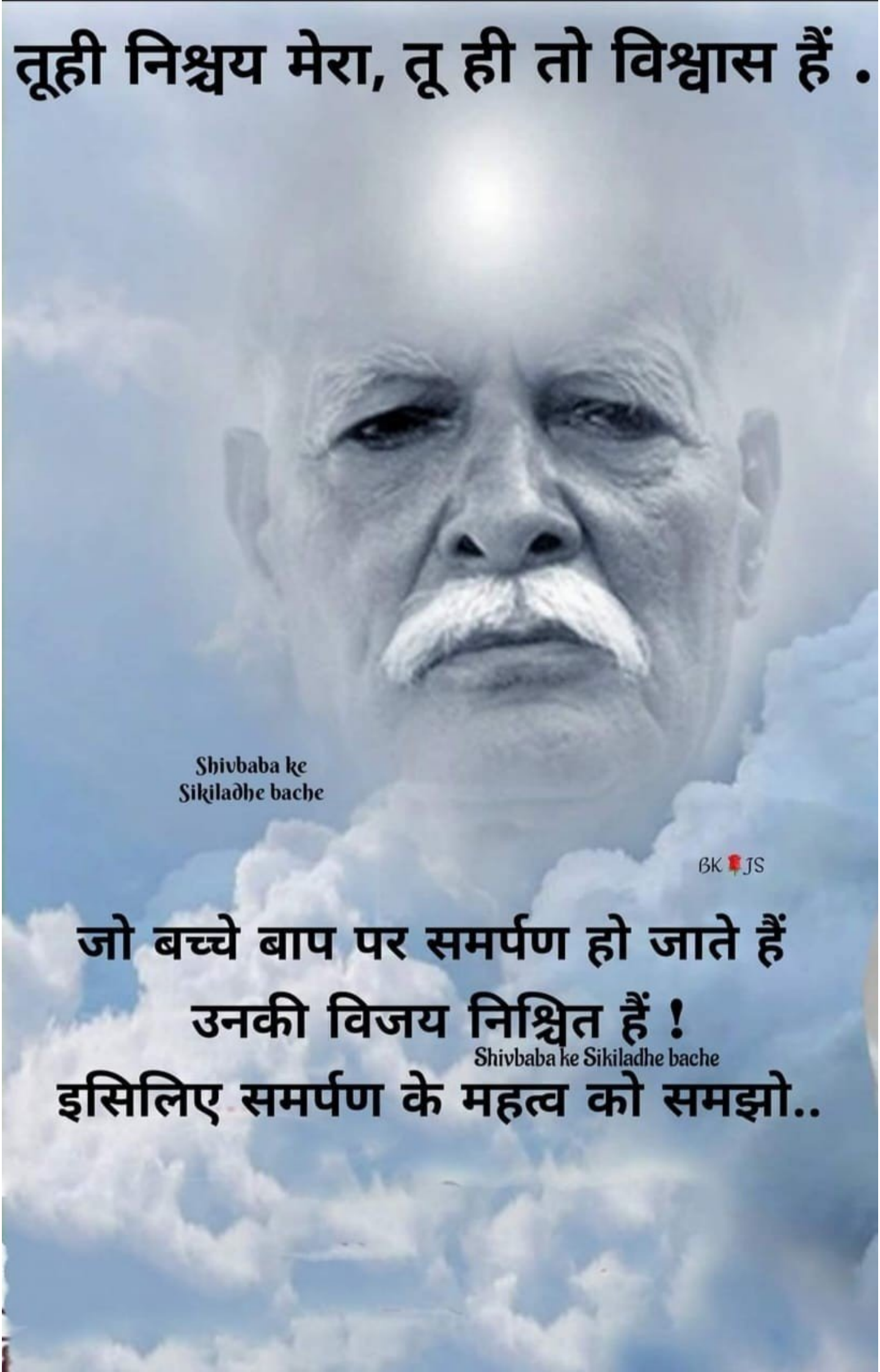
तूही निश्चय मेरा, तू ही तो विश्वास हैं .
Shivbaba ke
Sikiladhe bache
BK JS
जो बच्चे बाप पर समर्पण हो जाते हैं
उनकी विजय निश्चित हैं !
Shivbaba ke Sikiladhe bache
इसिलिए समर्पण के महत्व को समझो..

शिवबाबा SHIVBABA

परमपिता शिव परमात्मा

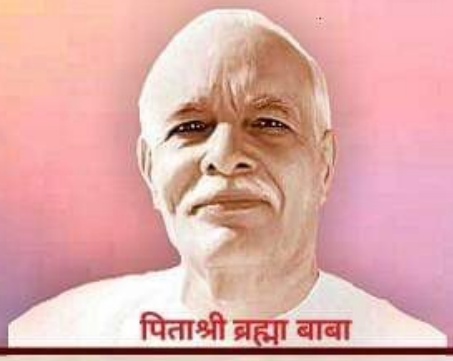

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Om Shanti

संस्कार बदलो,
तो संसार बदल जायेगा
जब तक संस्कार नहीं बदले हैं,
तब तक संसार नहीं बदल सकता

change your sanskars
and the world will change.
Unless you change your sanskars,
the world cannot be changed.

Join Brahma Kumaris

"ग्लानि करने वाले को भी आप गुण-माला पहनाओ तो वह स्वत: ही आपको गुणमाला रिटर्न करेंगे"

जैसे आजकल आप विशेष आत्माओं का स्वागत करते समय कोई गले में स्थूल माला डालते हैं तो आप डालने वाले के गले में रिटर्न कर देते हो, ऐसे ग्लानि करने वाले को भी आप गुण-माला पहनाओ तो वह स्वत: ही आपको गुणमाला रिटर्न करेंगे क्योंकि ग्लानि करने वाले को गुणमाला पहनाना अर्थात् जन्म-जन्म के लिए भक्त निश्चित कर देना है। यह देना ही अनेक बार का लेना हो जाता है। यही विशेषता इष्ट देव, महान आत्मा बना देती है।

Sakar Murli - 11-6-2020

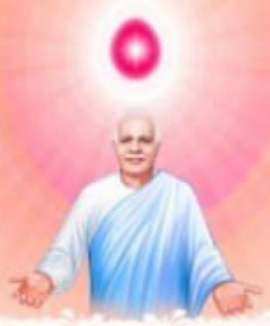

अव्यक्त शिक्षाएँ

बापदादा पहले मन की मेहनत समाप्त कर देते। क्योंकि बीज है- 'मन'। मन की मेहनत तन की, धन की मेहनत अनुभव कराती है। जब मन ठीक नहीं होगा तो कोई कार्य होगा तो कहेंगे आज यह होता नहीं। बीमार होगा नहीं लेकिन समझेगा मुझे 103° बुखार है। तो मन की मेहनत तन की मेहनत अनुभव कराती है। धन में भी ऐसे ही है। मन थोड़ा भी खराब होगा, कहेंगे बहुत काम करना पड़ता है। कमाना बड़ा मुश्किल है। वायुमण्डल खराब है। और जब मन खुश होगा तो कहेंगे कोई बड़ी बात नहीं। काम वही होगा लेकिन मन की मेहनत धन की मेहनत भी अनुभव कराती है। मन की कमज़ोरी वायुमण्डल की कमज़ोरी में लाती है। बापदादा बच्चों के मन की मेहनत नहीं देख सकते। 63 जन्म मेहनत की। अब एक जन्म मौजों का जन्म है, मुहब्बत का जन्म है, प्राप्तियों का जन्म है, वरदानों का जन्म है। मदद लेने का, मदद मिलने का जन्म है। फ़िर भी इस जन्म में भी मेहनत क्यों? तो अब मेहनत को मुहब्बत में परिवर्तन करो।

अ.बापदादा-15.03.85

कुछ नया सीखने के लिए,
यह स्वीकार
करना जरूरी है कि,
हर व्यक्ति किसी न किसी
बात में,
हमसे बेहतर होता है।

Brahma Kumaris
Daily Vichar

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org